अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वप्रवेश (प्रथम खंड) – 30

प्र.1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) द्रव्य गुण पर्याय द्वार को प्रारंभ से लेकर अंत तक पूरा लिखें।

(ख) भाव द्वार प्रारंभ से लेकर औपशमिक भाव तक लिखें।

(ग) षडद्रव्य द्वार लिखें।

(घ) कर्म द्वार से वेदनीय कर्म व नाम कर्म बन्ध के कारण लिखें।

(ङ) द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुण द्वार से आस्त्रव संवर, पुण्य धर्मास्तिकाय व काल की व्याख्या करें।

प्र.2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) भेद द्वार।

(ख) आत्म द्वार।

(ग) सावद्य निरवद्य द्वार।

(घ) पुण्य–पाप के भेदों के नाम लिखें।

(ड.) नाम व गोत्र कर्म को उदाहरण के द्वारा समझाऐं।

(च) दृष्टांत द्वार – जीव–अजीव की व्याख्या करें।

(छ) विस्तार द्वार – प्रारंभ से लिखते हुए सिद्धों के भेद तक लिखें।

प्रतिक्रमण – 20

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 10

(क) शक्र स्तुति अथवा ईर्यापथिक सूत्र लिखें।

(ख) सूत्र सहित यथासंविभाग व्रत या संलेखना के अतिचार लिखें।

प्र.4 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) जीव योनि पाठ (ख) प्रतिक्रमण–प्रतिज्ञा (ग) अभ्युत्थान सूत्र (घ) रत्नत्रय

(ड) देशावकाशिक व्रत के अतिचार (च) मंगल–सूत्र।

कर्म–प्रकृति – 25

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) कर्म की दस अवस्थाओं में अनुभाग, बंध, सत्ता व संक्रमण की व्याख्या करें।

(ख) दर्शनावरणीय कर्म बंध के हेतु व दर्शनावरणीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ग) वेदनीय कर्म की स्थिति व सात वेदनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(घ) प्रत्येक प्रकृति – उपघात, आतप, उद्योत, निर्माण व पराघात कर्म का वर्णन करें।

(ङ) त्रस दशक की प्रकृतियों का पूर्ण वर्णन करें।

प्र.6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) कर्म किसे कहते हैं? कर्म मूलतः कितने प्रकार का होता है? इसके आठ प्रकार किस आधार पर बनते हैं?

(ख) नो कषाय की प्रकृतियों के नाम लिखते हुए उनके अर्थ को स्पष्ट करें।

(ग) आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में सिर्फ अवस्थिति लिखें।

(घ) शरीर संघात नाम कर्म का वर्णन करें।

(ङ) दर्शनावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(च) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

गीतिका – 10 (कर्मों की संज्झाय)

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) ''बत्तीस सहस्त्र.....छार रे'' (ख)''सुभूम नामे.....राख्यो रे''

(ग) ''ईश्वर देव.....खावै रे'' (घ) ''बीस भुजा.....हार्‌यो रे''

प्र.8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – (एक शब्द या एक लाईन) 2

(क) गीतिका में कितने चक्रवर्त्ती के नाम आए हैं?

(ख) सूर्य कितनी किरणों तथा चन्द्र कितनी कलाओं से युक्त प्रसिद्ध है?

(ग) कौन से ऋषि कर्म महाराज को क्यों नमस्कार करते हैं?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 15

प्र.9 आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (प्रत्येक में से दो–दो प्रश्न) 12

पच्चीस बोल – (क) दसवां बोल (ख) तेरहवां बोल (ग) स्पर्शनेन्द्रिय के विषयों के नाम

पच्चीस बोल की चर्चा – (क) सात कर्म किसमें? (ख) चार द्रव्य किसमें?

(ग) जीव के पांच भेद किसमें? व कौन–कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी – (क) किस उपयोग के जीव कम, किस उपयोग के जीव अधिक?

(ख) आत्मा किस कर्म का उदय?

(ग) षट्‌द्रव्य जीव या अजीव?

तत्त्वचर्चा – (क) पाप छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) पुण्य धर्म या अधर्म?

(ग) तीन गुप्ति छह में कौन? नौ में कौन?

प्र10 कोई एक पद्य लिखें। 3

(क) जीव न जाणै.....नहराई रे।

(ख) हाड मिंजा.....अवतार।।